

: : आयुक्त (अपील्स) का कार्यालय, वस्तु एवं सेवा करऔरकेन्द्रीय उत्पाद शुल्क:: O/O THE COMMISSIONER (APPEALS), GST & CENTRAL EXCISE

द्वितीय तल, जी एस टी भवन / 2nd Floor, GST Bhavan रेस कोर्स रिंग रोड / Race Course Ring Road

<u>राजकोट / Rajkot – 360 001</u>

Tele Fax No. 0281 - 2477952/2441142Email: commrappl3-cexamd@nic.in



DIN20230164SX000000DA70

अपील / फाइलसंख्या/ Appeal /File No. GAPPL/COM/STP/1749/2022 मूल वादेश मं / O.I.O. No. 149/SERVICE TAX/DEMAND/2022-23 दिनांक/Date 4-May-2022

अपील आदेश संख्या(Order-In-Appeal No.):

BHV-EXCUS-000-APP-136-2022

आदेश का दिनांक / Date of Order: 27.12.2022

जारी करने की तारीख / Date of issue:03.01.2023

श्री शिव प्रताप सिंह, आयुक्त (अपील्स), राजकोट द्वारा पारित /

Passed by Shri Shiv Pratap Singh, Commissioner (Appeals), Rajkot.

ग अपर आयुक्त/ संयुक्त आयुक्त/ उपायुक्त/ सहायक आयुक्त, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क/ सेवाकर/दश्तु एवंमेवाकर, राजकोट / आमनगर / गांधीधाम। द्वारा उपरक्रिकित जारी यूक्त आदेश से मुजित: /

Arising out of above mentioned OIO issued by Additional/Joint/Deputy/Assistant Commissioner, Central Excise/ST / GST, Rajkot / Jamnagar / Gandhidham :

व अपीवकर्ता & प्रतिवादी का नाम एवं पता / Name & Address of the Appellant & Respondent :-

M/s. Rajesh Mahendrabhai Nanda,, Maa Ploymers,Plot No. 81, Opp. Ganesh Rolling Mill,G.I.D.C. Chitra,Bhavnagar-364004

इस आदेश(अपील) से व्यक्ति कोई व्यक्ति निम्नलिखित तरीके में उपयुक्त प्राधिकारी / प्राधिकरण के समक्ष अपील दायर कर सकता है।/ Any person aggrieved by this Order-in-Appeal may file an appeal to the appropriate authority in the following way.

सीमा शुल्क , केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं सेदाकर अपीसीय न्यायाधिकरण के पूर्ति अपील, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम , 1944 की धारा 35B के अंतर्गत (A) एवं वित्त अधिनियम, 1994 की धारा 86 के अंतर्गत निम्नलिखित जगह की का सकती है।/

Appeal to Customs, Excise & Service Tax Appellate Tribunal under Section 35B of CEA, 1944 / Under Section 86 of the Finance Act, 1994 an appeal lies to:

(i) वर्गीकरण मूल्यांकम से सम्बन्धित सभी मामले सीमा शुल्क, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क एवं नेवाकर अपीलीय न्यायाधिकरण की विशेष पीठ, वेस्ट ब्लॉक नं 2, आर॰ के॰ पुरम, नई दिल्ली, की की जानी चाहिए।/

The special bench of Customs, Excise & Service Tax Appellate Tribunal of West Block No. 2, R.K. Puram, New Delhi in all matters relating to classification and valuation.

(ii) उपरोक्त परिच्छेद 1(a) में बताए गए अपीनों के अलावा क्षेत्र सभी अपीनें सीमा शुल्क,केंद्रीय उत्पाद शुल्क एवं सेवाकर अपीनीय त्यायाधिकरण (सिन्टेट) की पश्चिम क्षेत्रीय पीठिका, ,द्वितीय नम, बहुमानी भवन असावा अहमदाबाद- ३८००१ ६को की जानी चाहिए।/

To the West regional bench of Customs, Excise & Service Tax Appellate Tribunal (CESTAT) at, 2nd Floor, Bhaumali Bhawan, Asarwa Ahmedabad-380016in case of appeals other than as mentioned in para- 1(a) above

(iii) अपिशीय व्यायाधिकरण के सुमक्ष अपीस प्रस्तुत करने के लिए केन्द्रीय तत्पाद शुरूक (अपीक्) नियमावसी, 2001, के नियम 6 के अंतर्गत निर्धारित किए गये प्रपन्न EA-3 को बार प्रतियों में वर्ष किया जाना चाहिए। इनमें से कम से कम एक प्रति के लाक, जहां उत्पाद शुरूक की मौग, उत्पाद की मौग और लगाया गया जुमाना, उपए 5 लाख पा उससे कर कुर की प्रति के लाक के प्रति के लाक कि उपर में अधिक है तो कमशः 1,000/- रुपये, 5,000/- रुपये का निर्धारित जमा शुरूक की प्रति संसन्न करें। निर्धारित शुरूक का सुमतान, संबंधित अपीकीय न्यायाधिकरण की शाखा के सुद्धायक रजिस्टार के नाम से किसी भी सार्वित काम से के बैंक द्वारा जारी रेखांकित बैंक द्वारा किया जाना चाहिए। संबंधित कुमस्ट का मुगतान, वर्क की उस शाखा में होना चाहिए जहां संबंधित अपीकीय न्यायाधिकरण की शाखा स्थित है। न्याम आदेश (स्ट ऑर्डर) के निए आवेदन-पत्र के साथ 500/- वपए का निर्धारित शुरूक जया करना होगा।/

The appeal to the Appellate Tribunal shall be filed in quadruplicate in form EA-3 / as prescribed under Rule 6 of Central Excise (Appeal) Rules, 2001 and shall be accompanied against one which at least should be accompanied by a fee of Rs. 1,000/- Rs.5000/-, Rs.10,000/- where amount of dutydemand/interest/pensity/refund is upto 5 Lac., 5 Lac to 50 Lac and above 50 Lac respectively in the form of crossed bank draft in favour of Asst. Registrar of branch of any nominated public sector bank of the place where the bench of any nominated public sector bank of the place where the bench of the Tribunal is situated. Application made for grant of stay shall be accompanied by a fee of Rs. 500/-

अपीलीय न्यायाधिकरण के समक्ष अपील, वित्त अधिनियम, 1994 की धारा 86(1) के अंतर्गत सेवाकर नियमवासी, 1994, के नियम 9(1) के तहत निथमित प्रपन्न 8.7: 5 में बार प्रतियों में की जा सकेगी एवं उसके बाव जिस आवेश के विरुद्ध अपील की गयी हो, उसकी प्रति साथ में संलग्न करें (उनमें में एक प्रति प्रमाणित होनी चाहिए) और इनमें में कम से कम एक प्रति के साथ, जहां सेवाकर की माँग , ज्याज की माँग और समाया गया जुर्माना, रुपए 5 लाख या उससे कम, 5 बाल कपए या 50 लाख रुपए तक अथवा 50 लाख कपए से अधिक है तो कमशः 1,000/- कपये, 5,000/- रुपये अथवा 10,000/- रुपये का निर्मारित जुमा शुल्क की प्रति संसुध करें। निर्मारित अपका का मुगतान, संबंधित अपीलीय न्यायाधिकरण की शाखा के महायक रिजन्टार के नाम से किसी भी सार्विजनक क्षेत्र के बैंक द्वारा जारी रेखांकित के बुगस्ट द्वारा किया जाना चाहिए। संबंधित द्वारत का भुगतान, बैंक की उस शाखा में होना चाहिए जहां संबंधित अपीलीय न्यायाधिकरण की शाखा स्थित है। स्थान आवेश (स्टे ऑडर) के विए आवेबन-पन्न के साथ 500/- कपए का निर्मारित शुल्क जमा करना होगा।/

The appeal under sub section (1) of Section 86 of the Finance Act, 1994, to the Appellate Tribunal Shall be filed in quadruplicate in Form S.T.5 as prescribed under Rule 9(1) of the Service Tax Rules, 1994, and Shall be accompanied by a copy of the order appealed against (one of which shall be certified copy) and should be accompanied by a fees of Rs. 1000/- where the amount of service tax & interest demanded & penalty levied of Fb. 5 Lakhs or less, Rs.5000/- where the amount of service tax & interest demanded & penalty levied is more than five lakhs but not exceeding Rs. Fifty Lakhs, Rs.10,000/- where the amount of service tax & interest demanded & penalty levied is more than fifty Lakhs rupees, in the form of crossed bank draft in favour of the Assistant Registrar of the bench of nominated Public Sector Bank of the place where the bench of Tribunal is situated. / Application made for grant of stay shall be accompanied by a fee of Rs.500/-.

B)

(ii)

...2...

(i)

(ii)

विश्व बिधिनियम, 1994 की बारा 86 की उप-बाराओं (2) एवं (2A) के अंतर्गत वर्ज की गयी अपीज, वेवाकर नियमवाजी, 1994, के नियम 9(2) एवं 9(2A) के तहत निवासित प्रयम 8.T.-7 में की जा सकेगी एवं उवके ताज आपुत, केन्द्रीय उत्पाव सुक्क अववा अपुत्त, केन्द्रीय उत्पाव सुक्क (वर्णाक), केन्द्रीय उत्पाव सुक्क हैं से वर्णाक की प्रतियों वंज्य करें (उनमें वे एक पृति प्रयाणिक होनी वाहिए) और अनुक्क हारा वाह्यक अपुत्त अववा उत्पादक कि प्राप्त (क्षेत्र) ने वाह्य के साथ कर्मा उत्पादक कि प्रयाणिक होनी वाह्य हैं। अपित कर्मा करित होगी। / The appeal under sub section (2) and (2A) of the section 86 the Finance Act 1994, shall be filled in For ST.7 as prescribed under Rule 9 (2) & 9(2A) of the Service Tax Rules, 1994 and shall be accompanied by a copy of order of Commissioner Central Excise or Commissioner Central Excise (Appeals) (one of which shall be a certified copy) and copy of the order passed by the Commissionerauthorizing the Assistant Commissioner or Deputy Commissioner of Central Excises/Service Tax to file the appeal before the Appellate Tribunal.

वीमा शुक्क, केन्द्रीय उत्पाद शुक्क एवं वेवाकर अपीजीय प्राधिकरण (वेन्ट्रेट) के पृति वर्णावों के मानवें में केन्द्रीय उत्पाद शुक्क वितिषय 1944 की बारा 35एक के अंतर्गत, जो की वितीय अवितियम, 1994 की बारा 83 के अंतर्गत के मानवें में केन्द्रीय उत्पाद शुक्क वितिषय में 1994 की बारा 83 के अंतर्गत के मानवें में केन्द्रीय उत्पाद शुक्क वित्यम 1944 की बारा 35एक के अंतर्गत, जो की वितीय अवितियम, 1994 की बारा 83 के अंतर्गत के मानवें में मानवें में महे के मानवें में महे के स्वाप के प्राप्त अपीजीय स्थापित है, मा मुगाता किया जराव सुक्क होना कर मान के 10 प्रतियम (108), जब मानवियम विवास है मा मुगाता विवासित है, मा मुगाता किया उत्पाद सुक्क ऐवा कर मानवें मानवियम (1984) के बार्य के वेव्य प्रत्या कर कर वेव्य प्रत्य कर सुक्क होना कर मानवें में मिलव प्रत्य कर सुक्क वेव्य उत्पाद सुक्क एवं के मानवें मानवियम (1984) के मानवें का मानवें में मिलवें मानवें में मिलवें में मानवें मानवें में मिलवें मानवें में मानवें मानवें में मिलवें मानवें में मिलवें मानवें मानवें में मिलवें मानवें में मिलवें मानवें में मिलवें मानवें में मिलवें

मारत सरकार कोपुनरीक्षण आवेदन :
Revision application to Government of India:
इस आवेदा को पुनरीक्षण आवेदन देवा मानवा में, केबीय उत्पाद शुक्त अधिनियम, 1994 की धारा 35EE के प्रथमपरंत्रक के अंतर्गतअवर सचिव,
भारत सरकार, पुनरीक्षण आवेदन देकाई, विश्व मंत्राक्षय, राजस्व विभाग, चावी मंजिल, जीवन चीप भवन, संसद मार्ग, नई दिल्ली-110001, को किया
जाना चाहिए।
A revision application lies to the Under Secretary, to the Government of India, Revision Application Unit,
Ministry of Finance, Department of Revenue, 4th Floor, Jeevan Deep Building, Parliament Street, New Delhi110001, under Section 35EE of the CEA 1944 in respect of the following case, governed by first proviso to subsection [1] of Section-35B ibid: (C)

यवि मान के किसी नुक्तान के मानने में, जहां नुक्तान किसी मान को किसी कारवाने से मंदार गृह के पारगमन के दौरान या किसी अन्य कारवाने या किस किसी एक मंदार गृह से दूवरे भंदार गृह पारगमन के दौरान, या किसी मंदार गृह में या मंदारक में वास के प्रसंक्तरक के दौरान, किसी कारवाने या किसी भंदार गृह में भाव के नुक्तान के मानने में / In case of any loss of goods, where the loss occurs in transit from a factory to a warehouse or to another factory or from one warehouse to another during the course of processing of the goods in a warehouse or in storage whether in a factory or in a warehouse (1)

भारत के बाहर किसी राष्ट्र या क्षेत्र को निर्याद कर रहे मास के बिनिर्माण में प्रयुक्त कक्के मास पर घरी गई केन्द्रीय उत्पाद शुक्त के श्रुट (रिवेट) के मामले में, जो भारत के बाहर किसी राष्ट्र या क्षेत्र को निर्याव की जाती है। / In case of rebate of duty of excise on goods exported to any country or territory outside India of on excisable material used in the manufacture of the goods which are exported to any country or territory outside India. (H)

यदि उत्पाद शुक्क का भुगतान किए बिना भारत के बाहर, नेपास या भुटान को मास निर्मात किया गया है। / in case of goods exported outside India export to Nepal or Bhutan, without payment of duty. (III)

सुनिश्चित उत्पाद के उत्पादन सुरक के भूगतान के लिए जो काटी केडीट इस अधिनियम एवं इसके विभिन्न प्रावधानों के वहत मान्य की गई है और ऐसे कारेस जो अनुक्त (अपीन) के द्वारा विश्व अधिनियम (ने॰ 2),1998 की धारा 109 के द्वारा नियत की गई तारीब अवना समाधानिधि पर या बाद में पारित किए गए हैं। रिल्टोंस of any duty allowed to be utilized towards payment of excise duty on final products under the provisions of this Act or the Rules made there under such order is passed by the Commissioner (Appeals) on or after, the date appointed under Sec. 109 of the Finance (No.2) Act, 1998. (iv)

उपरोक्त आवेदन की वो प्रतियां प्रयम संक्या EA-8 में, जो की केन्द्रीय उत्पादन शुक्त (आपींक) निषमाचली,2001, के नियम 9 के अंतर्गत विनिर्दिष्ट है, इस अदेश के त्रीप्त के अत्याद की जानी चाहिए। उपरोक्त आवेदन के बांच मूल आवेत व अपींक आदेश की वो प्रतिया तंत्रप्र की जानी चाहिए। उपरोक्त आवेदन के बांच मूल आवेत व अपींक आदेश की प्रतिया तंत्रप्र की जानी चाहिए। साथ ही केन्द्रीय उत्पाद शुक्त अधिनियम, 1944 की धारा 35-EE के तहत निर्धारित शुक्त की अवायगी के साथ्य के तौर पर TR-6 की प्रति संतप्र की जानी चाहिए।
तिक्र के अपींक के शिक्ष के 3 पाइ के अवायगी के साथ्य के तौर पर TR-6 की प्रति संतप्र की जानी चाहिए।
तिक्र के तहत निर्धारित शुक्त की अवायगी के साथ्य के तौर पर TR-6 की प्रति संतप्र की जानी चाहिए।
तिक्र के अपींक के अधिक, 2001 within 3 months from the date on which the order sought to be appealed against is communicated and shall be accompanied by two copies each of the OIO and Order-In-Appeal. It should also be accompanied by a copy of TR-6 Challan evidencing payment of prescribed fee as prescribed under Section 35-EE of CEA, 1944, under Major Head of Account. (v)

पुनरीक्षण आवेदन के साथ निस्तिबित निर्धारित शुरूक की अदायगी की जानी चाहिए। जहाँ संग्रह रक्त एक आब्द क्या उससे कम हो तो रूपये 200/- का मुगतान किया आए और यदि संग्रह रक्त एक नात रूपये से ज्यादा हो तो रूपये 1000 -/ का भुगतान किया जाए। The revision application shall be accompanied by a fee of Rs. 200/- where the amount involved in Rupees One-Lac or less and Rs. 1000/- where the amount involved is more than Rupees One-Lac. (vi)

यदि इस आदेश में कई मूल आदेशी का समावेश है तो प्रत्येक मूल आदेश के लिए शुक्त का भुगतान, उपर्युक्त दंग से किया जाना चाहिये। इस तथ्य के होते हुए भी की विचा पढ़ी कार्य के किया जाना चाहिये। इस तथ्य के होते हुए भी की विचा पढ़ी कार्य से बचन के लिए यथास्थिति अपीकीय नयाधिकरण को एक अपीक या कड़ीय तरकार को एक आदेवन किया जाता है। / In case, if the order covers various umbers of order- in Original, foe for each O.I.O. should be paid in the aforesaid manner, notwithstanding the fact that the one appeal to the Appellant Tribunal or the one application to the Central Covt. As the case may be, is filled to avoid scriptoria work if exclaing Rs. 1 lakh fee of Rs. 100/- for each. (D)

यथार्सशोक्षित न्यायानय शुण्क अधिनियम, 1975, के अनुसूची-! के अनुसार मून आदेश एवं स्थमन आदेश की प्रति पर निर्धारित 6.50 कपये का न्यायानय शुक्क टिकिट नगी होना चाहिए। / One copy of application or O.I.O. as the case may be, and the order of the adjudicating authority shall bear a court fee stamp of Rá.6.50 as prescribed under Schedule-I in terms of the Court Fee Act, 1975, as amended. **(E)**

सीमा शुरू, केन्द्रीय उत्पाद शुरू एवं सेवाकर अपीतीय न्यायाधिकरण (कार्य विधि) नियमावकी, 1982 में वर्णित एवं अन्य संबन्धित मामलों को विभावित करने वाले नियमां की और भी ध्यान कार्वित किया जाता है। Attention is also invited to the rules covering these and other related matters contained in the Customs, Excise and Service Appellate Tribunal (Procedure) Rules, 1982. (F)

उच्च अपीलीय प्राविकारी को अपील पाविक करने से तबंधित व्यापक, विस्तृत और नवीनतम प्रावधानों के लिए, अपीकार्थी विभागीय वेबसाइट www.cbcc.gov.in को देव सकते हैं। / For the elaborate, detailed and latest provisions relating to filing of appeal to the higher appellate authority, the appellant may refer to the Departmental website www.cbcc.gov.in. (G)



:: अपील आदेश / ORDER-IN-APPEAL ::

- M/s. Rajesh Mahendrabhai Nanda, Bhavnagar (hereinafter referred to as "Appellant") has filed the present Appeal against Order-in-Original No. 149/SERVICE TAX/DEMAND/2022-23 dated 04.05.2022 (hereinafter referred to as 'impugned order') passed by the Assistant Commissioner, Central GST Division, Bhavnagar-1 (hereinafter referred to as 'adjudicating authority').
- 2. The facts of the case, in brief, are that the Income Tax Department shared the third party information/ data based on Income Tax Returns/ 26AS for the Financial year 2014-15 of the Appellant. Letter dated 20.07.2020 was issued by the Jurisdictional Range Superintendent requesting the Appellant to provide information/documents viz. copies of I.T. Returns, Form 26AS, Balance Sheet (including P&L Account), VAT/ Sales Tax Returns, Annual Bank Statement, Contracts/ Agreements entered with the persons to whom services provided etc. for the Financial year 2014-15 to 2017-18 (upto June-2017). However, no reply was received from the Appellant.
- 3. In absence of data/information, a Show Cause Notice dated 14.08.2020 was issued to the Appellant, demanding Service Tax and cess to the tune of Rs. 41,449/- under Section 73(1) of the Finance Act, 1994 (hereinafter referred to as 'the Act') alongwith interest under Section 75 of the Act. It was also proposed to impose penalties under Section 77(1)(a), 78, 77(2) and 77(1)(c) of the Act upon the Appellant.
- 4. The above Show Cause Notice was adjudicated by the adjudicating authority vide the impugned order who confirmed Service Tax demand of Rs. 41,449/- under Section 73(1) along with interest under Section 75 of the Act, imposed penalty of Rs. 41,449/- under Section 78 of the Act, imposed penalty of Rs. 5,000/- each under Section 77(1)(a), 77(2) and 77(1)(c) of the Act.
- 5. Being aggrieved, the Appellant has preferred the present appeal on various grounds that he was having GST registration No. 24AGHPN9931C1ZF and with effect from 07.04.2020, he had changed his address from Bhavnagar to Mehsana. He replied to Show Cause Notice vide his letter dated 23.09.2020 and stated that he was basically a manufacturer and not providing a service and hence he was not liable to Service Tax. The job work income was below the threshold limit of Rs. 10 Lakh. He already submitted copy of Income Tax returns, Form No. 26AS and balance sheet and profit & loss account for the period 2014-15 to 2017-18 to the Adjudicating Authority. The services provided during the year 2014-15 was Rs. 3,35,345/- and the benefit of Service Tax Notification No. 33/2012 dated 20.06.2012 was not given to him.

The matter was posted for hearing on 23.12.2022. Shri Tejas Andharia, CA

Ming ~ ~ 22

appeared for personal hearing and reiterated the submissions in the appeal. He submitted that as mentioned in Para 5 of the Order-In-Original, appellant had replied to the Show Cause Notice claiming exemption. However, Adjudicating Authority has wrongly passed the order ignoring the same, as may be seen from his observation in para 11 onwards. He submitted that the appellant's turnover is merely 3.5 lakhs and he was eligible for benefit of threshold limit exemption. He requested to set aside the Order-In-Original.

- 7. I have carefully gone through the case records, impugned order and appeal memorandum filed by the Appellant. I find that the issue to be decided in the case on hand is whether the activity carried out by the appellant is liable to Service Tax or otherwise.
- 8. I find that Show Cause Notice had been issued without verifying any data or nature of services provided by the Appellant as the same had been issued only on the basis of data received from the income Tax department and the Adjudicating Authority has confirmed the demand of Service Tax vide impugned order. It is the contention of the Appellant that they have replied to Show Cause Notice vide his letter dated 23.09.2020 wherein he stated that major portion of his income arose from the manufacturing of HD PP Bags and HD PP Woven Sacks Fabric Roll which can be verified from income tax returns, trading & Profit & loss account. He also submitted required documents viz. copies of IT Returns, Form 26AS and Balance sheet & profit and loss account for the year 2014-15 to 2017-18.
- 9. I find that the main issue that is to be decided in the instant case is whether the activity carried out by the Appellant is covered under Notification No.33/2012-Service Tax dated 20.06.2012 and as to whether the amount received for providing the services is taxable, or otherwise.
- 10. On going through the case records, it is evident that the Appellant is a manufacturer. The service tax is levied on service and not on manufacturing of the goods. Further, the value of services is below Rs. 10 lakhs which is within threshold limit prescribed vide Notification No. 33/2012-Service Tax dated 20.06.2012. Therefore, I am of considered view that the Appellant is not liable to Service Tax.
- 11. In view of discussions and finding, I set aside the impugned order and allow the appeal filed by the Appellant.
- अपीलकर्ता द्वारा दर्ज की गई अपील का निपटारा उपरोक्त तरीके से किया जाता है ।

12. The appeal filed by Appellant is disposed off as above.

सत्यापित / Attested

(शिव प्रताप सिंह)/(Shiv Pratap Singh),

आयुक्त (अपीस)/Commissioner (Appeals)

Page 4 of 5



Superintendent Central GST (Appeals) Rajkot

By R.P.A.D.

M/s. Rajesh Mahendrabhai Nanda, MAA Polymers, Plot No. 81, Opp.: Ganesh Rolling Mill, G.I.D.C., Chitra, Bhavnagar-364004. सेवा में, मे. राजेश महेंद्रआई नंदा, मा पॉलीमर्स, प्लॉट सं. 81, गणेश रोलिंग मिल के सामने, जी. आई. डी. सी. चित्रा, भावनगर-364004 ।

प्रतिलिपि:-

- 1) मुख्य आयुक्त, वस्तु एवं सेवा कर एवं केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, गुजरात क्षेत्र, अहमदाबाद को जानकारी हेतु।
- 2) आयुक्त, वस्तु एवं सेवा कर एवं केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, भावनगर आयुक्तालय, भावनगर को आवश्यक कार्यवाही हेतु।
- 3) अपर आयुक्त, वस्तु एवं सेवा कर एवं केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, भावनगर को आवश्यक कार्यवाही हेतु।
- 4) सहायक आयुक्त, वस्तु एवं सेवा कर एवं केन्द्रीय उत्पाद शुल्क मण्डल, भावनगर -1 को आवश्यक कार्यवाही हेतु।
- 5) .गार्ड फ़ाइल।

